

मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन

प्रलिस के लयि:

मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM), नीतियायोग, स्वच्छ सर्वेक्षण, कायाकल्प तथा शहरी परविरतन के लयि अटल मशिन (AMRUT) एवं स्वच्छ गंगा के लयि राषट्रीय मशिन (NMCG), सतत् वकिस लक्ष्य (SDG)

मेन्स के लयि:

भारत की अपशषिट प्रबंधन प्रणाली में शामिल मुददे और चुनौतयिों तथा इस संबंघ में उठाए गए कदम

चर्चा में क्यो?

नीतियायोग की रपिरट के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन, सेवा और व्यवसाय मॉडल के तहत वर्ष 2021 तक 700 से अधिक शहर/कस्बे मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) कार्यान्वयन के वभिन्न चरणों में हैं।

प्रमुख बदि

■ मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (FSSM):

○ FSSM के बारे में:

- भारत स्वच्छता कवरेज में अंतराल को पहचानते हुए वर्ष 2017 में FSSM पर राषट्रीय नीतकी घोषणा करने वाला प्रथम देश बन गया है।
- FSSM मानव मल प्रबंधन वेस्ट स्ट्रीम, जसिमें रोग फैलाने की उच्चतम क्षमता होती है, को प्राथमकता देता है।
- यह एक कम लागत वाला और आसानी से मापनीय स्वच्छता समाधान है जो मानव अपशषिट के सुरक्षति संग्रह, परविहन, उपचार और पुनः उपयोग पर केंद्रति है।
- नतीजतन, FSSM एक समयबद्ध तरीके से सभी के लयि पर्याप्त और समावेशी स्वच्छता के [सतत् वकिस लक्ष्यों \(SDG\)](#) के लक्ष्य 6.2 को प्राप्त करने में सही है।

○ संबंघति पहल:

- भारत ने खुले में [शौच-मुक्त \(ओडीएफ\) +](#) और [ओडीएफ ++ प्रोटोकॉल](#) के शुभारंघ के माध्यम से FSSM के प्रतियपनी प्रतबिद्धता दखाना जारी रखा है, [स्वच्छ सर्वेक्षण](#) में FSSM पर जोर दिया है, साथ ही कायाकल्प और शहरी परविरतन के लयि [अटल मशिन \(अमृत\)](#) में FSSM के लयि वत्तिय आवंटन और स्वच्छ गंगा हेतु [राषट्रीय मशिन \(एनएमसीजी\) मशिन](#) की शुरुआत की है।

■ भारत के सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता:

- [केंद्रीय प्रदूषण नयंत्रण बोर्ड \(सीपीसीबी\)](#) की नवीनतम रपिरट के अनुसार, भारत में [सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट \(STPs\)](#) प्रतदिनि उत्पन्न होने वाले एक-तहिाई से अधिक सीवेज का उपचार करने में सक्षम हैं।
- भारत ने **72,368 MLD (मलयिन लीटर प्रतदिनि)** का उत्पादन कया, जबकि STPs की स्थापति क्षमता **31,841 MLD (43.9%)** थी।
- **5 राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों (UT)** महाराषट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, दलिली और कर्नाटक में देश की कुल स्थापति उपचार क्षमता का **60% हसिसा** है।

■ ठोस अपशषिट प्रबंधन के मुददे:

- शहरी स्थानीय नकियों (ULB) में अपशषिट प्रबंधन के लयि वत्तित की कमी।
- तकनीकी वशेषज्जता और उपयुक्त संस्थागत व्यवस्था का अभाव।
- उचित संग्रह, पृथक्करण, परविहन और उपचार/नपिटान प्रणाली शुरू करने के प्रतियुलबी की अनच्छि।
- जागरूकता की कमी के कारण कचरा प्रबंधन के प्रतियानगरकों की उदासीनता।
- अपशषिट प्रबंधन और स्वच्छ परस्थितयिों के प्रतियामुदायकि भागीदारी का अभाव

आगे की राह

- **FSSM गठबंधन का उपयोग:** राष्ट्रीय मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (NFSSM) गठबंधन ने अब तक भारत में FSSM क्षेत्र में एक उत्प्रेरक भूमिका निभाई है और राज्य एवं शहर के अधिकारियों के लिये एक तैयार संसाधन और मंच के रूप में कार्य करता है।
- दीर्घकालिक स्थिरता और गुणवत्ता कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिये राज्यों और शहरों को क्षमता निर्माण, गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण एवं नगरानी सुनिश्चित करनी चाहिये। इसके अलावा यह महत्त्वपूर्ण है कि राज्य संस्थागतकरण के लिये कदम उठाएँ।
- सबसे कमजोर, वंचित, महिलाओं और शहरी गरीबों को इस प्रयास के केंद्र में रखते हुए, राज्यों एवं शहरों को अभिनव समाधान पेश करने के लिये तेजी से आगे बढ़ना चाहिये।
- इसके साथ ही भारत न केवल खुले में शौच को समाप्त करने के लिये बल्कि सुरक्षित रूप से प्रबंधित समग्र स्वच्छता हेतु भी दुनिया के लिये एक उदाहरण बन सकता है।

स्रोत- डाउन टू अर्थ

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/faecal-sludge-and-septage-management>

